अर्द्धवार्षिक परीक्षा

समय: 3.00 घंटे | कक्षा–12 | STSO | पूर्णांक: 100

साहित्यिक हिन्दी

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) द्विवेदी युग की पत्रिका है– 1
(अ) हिन्दी प्रदीप (ब) हंस (स) प्रताप (द) धर्म युग
(ख) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेद द्वारा सम्पादित पत्रिका है– 1
(अ) हंस (ब) सरस्वती (स) ब्राह्मण (द) इन्दु
(ग) प्रेमचन्द का उपन्यास नहीं है– 1
(अ) गोदान (ब) निर्मला (स) रंगभूमि (द) त्यागपत्र
(घ) 'बेईमान की परत' किस विधा की रचना है– 1
(अ) कहानी (ब) निबन्ध (स) नाटक (द) यात्रा वृतान्त
(ड़) बाणभट्ट की आत्मकथा है– 1
(अ) उपन्यास (ब) कहानी (स) जीवनी (द) आत्मकथा

2. (क) 'कामायनी' की विधा है– 1
(अ) महाकाव्य (ब) नाटक (स) उपन्यास (द) कहानी
(ख) निम्नलिखित में से कौन–सी रचना भक्तिकाल की है– 1
(अ) 'द्वापर' (ब) 'सूर सारावली' (स) 'प्रियप्रवास' (द) 'साकेत'
(ग) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' की रचना है– 1
(अ) यशोधरा (ब) रस–कलस (स) उद्धव शतक (द) आँसू
(घ) रीतिकाल की रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रतिनिधि रचनाकार है– 1
(अ) बिहारी (ब) भूषण (स) घनानन्द (द) देव
(ड़) गोस्वामी तुलसीदास के बचपन का नाम था– 1
(अ) तुकराम (ब) आत्माराम (स) सीताराम (द) रामबोला

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

3. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10
कहते हैं, दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है! केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।
(क) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है तथा इसके लेखक कौन हैं?
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) प्रस्तुत गद्यांश में किस प्रसंग की चर्चा की गई है?
(घ) लेखक ने गद्यांश में किस प्रकार के लोगों को स्वार्थी कहा है?
(ड़) 'सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।' पंक्ति का क्या आशय है?

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10
दुःख की पिछली रजनी बीत, विकसता सुख का नवल प्रभात,
एक परदा यह झीना नील, छिपाए है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।
(क) सुख का नवल प्रभात कब विकसित होता है?
(ख) दुःख और सुख के बीच की दूरी को कवि ने किससे व्यक्त किया है?
(ग) नवल प्रभात किसका प्रतीक है?
(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ड़) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित कवियों में से किसी कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 5
(अ) महादेवी वर्मा (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (स) सुमित्रा नन्दन पंत
(ख) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 5
(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब) वासुदेवशरण अग्रवाल
(स) पं. दीनदयाल उपाध्याय

P.T.O.

6. 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'वहादुर' कहानी का कथानक संक्षेप में लिखिए। 5

अथवा

'वहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी का कथानक संक्षेप में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 5
(क) खण्डकाव्य की भाषा शैली पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।
(ख) खण्डकाव्य की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

8. (क) निम्नलिखित अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 7

पश्य रूपाणि सौमित्रे वनानां पुष्पशालिनाम्।
सृजतां पुष्पवर्षाणि वर्षं तोयमुचामिव।।

(ख) महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः, सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्। 7

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 4
(क) द्वारपालः भोजं किम् अकथयत्? (ख) कः सर्वज्ञः भवति?
(ग) वित्तेन कस्य आशा न अस्ति? (घ) श्रीमालवीयस्य पितुः किं नाम आसीत्?

10. (क) करूण अथवा शान्तरस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) चौपाई अथवा सोरठा छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) श्लेष अथवा यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 9
(क) मेरी प्रिय पुस्तक (ख) कम्प्यूटर की उपयोगिता
(ग) लोकतन्त्र में मीडिया की भूमिका (घ) विद्यार्थी और राजनीति

12. (क) (i) 'ग्रामेऽपि' का सन्धि–विच्छेद है– 1
(अ) ग्राम+अपि (ब) ग्राम+एपि (स) ग्रामे+अपि (द) ग्रामस+एपि
(ii) 'नायक' का सन्धि विच्छेद है– 1
(अ) नै+अकः (ब) नाय+अकः (स) नाय+क (द) नौ + अकः
(iii) 'दौग्धा' का सन्धि–विच्छेद है– 1
(अ) दोग्+धा (ब) दोक+धा (स) दो+ग्धा (द) दोघ्+धा

(ख) (i) 'दामोदर' में समास है– 1
(अ) तत्पुरूष (ब) अव्ययीभाव (स) कर्मधारय (द) बहुव्रीहि
(ii) 'प्रतिगृहम्' में समास है– 1
(अ) अव्ययीभाव (ब) तत्पुरूष (स) द्विगु (द) कर्मधारय

13. (क) (i) 'राजनि' रूप है राजन् (राजा) का– 1
(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (ब) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन
(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(ii) 'नामसु' रूप है नामन् (नाम) का– 1
(अ) तृतीय विभक्ति, एकवचन (ब) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
(स) सप्तमी विभक्ति बहुवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ख) 'तिष्ठेव' अथवा 'नेष्यामि' किस धातु, लकार, का पुरूष तथा वचन का रूप है? 2
(ग) (i) 'बुद्धिमान' में प्रत्यय है– 1
(अ) तव्यत् (ब) वतुप् (स) मतुप् (द) क्त्वा
(ii) 'गन्तव्यम्' में प्रत्यय है– 1
(अ) तव्यत् (ब) क्त्वा (स) मतुप् (द) अनीयर्
(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए। 2
(अ) तस्मै स्वधा। (ब) शुक्रदेवाय नमः। (स) गङ्गायाः उदकम्।

14. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 4
(अ) संसार में सभी लोग सुख चाहते हैं। (ब) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
(ग) अपने माता–पिता का सदा सम्मान करो। (घ) गाँव के चारो ओर बाग हैं।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com